পাঠ 3
পাঠ

প্রিয় ছাত্রৰ লগত

চৌৰ্জী : হেৰ' প্রেমকুমাৰ।
চেটার্জী : হেরো! প্রেমকুমার।

প্রেম : নমস্কাৰ চাৰ। আপোনাৰ ভাল নে?
প্রেম : নমস্কার সার। আপোনার ভাল নে?

চৌৰ্জী : এম্প আছোঁ আৰু। তম্প আজিকালি
চেটার্জী : এই আসোঁ আরু। তোই আজিকালি কি কৰ ?
কি কর্‌অ?

প্রেম : মম্প ব্যৱসায় কৰোঁ।
প্রেম : মোই ব্যবসায় করোঁ।

চৌৰ্জী : তোৰ দোকান ক'ত?
চেটার্জী : তোর দোকান কোত?

প্রেম : মোৰ দোকান নাম্প চাৰ! মম্প
প্রেম : মোর দোকান নাই সর! মোই বাৰানসীত ৰেসমী শাড়ী লওঁ।
বারানসীত রেসমী সারী লওঁ।
সেম্পবোৰ অসমত বিক্রি কৰোঁ।
সেইবোর অসমত বিক্রি করোঁ।
অসমৰ পৰা চাহপাত, বাঁহ-বেতৰ
অসমর পরা সাহপাত, বাঁহ-বেতর

प्रिय छात्र के साथ

चटर्जी : अरे! प्रेमकुमार!

प्रेम : नमस्कार सर। आप अच्छे हैं?

चटर्जी : ठीक ही हूँ। और तुम आजकल क्या कर रहे हो?

प्रेम : मैं व्यवसाय कर रहा हूँ।

चटर्जी : तुम्हारी दुकान कहाँ है?

प्रेम : मेरी दुकान नहीं है, सर। मैं वाराणसी से रेशमी साड़ी लेता हूँ। उन्हें असम में बेचता हूँ। असम से चाय की पत्ती, बाँस-बेंत की चीजें ले आता हूँ। (उन्हें) बाराणसी में बेचता हूँ। कभी कभी अच्छा लाभ हो जाता है। कभी कभी नुकसान उठाता हूँ। सर, क्या आप अभी भी कहानियाँ लिखते हैं?

বস্তু আনোঁ। বাৰানসীত

বিক্রি

বস্তু আনোঁ। বারানসীত

বিক্রি

কৰোঁ। কেতিয়াবা ভাল লাভ
করোঁ। কেতিয়াবা ভাল লাভ

হয়। কেতিয়াবা লোকচান
হয়। কেতিয়াবা লোকসান

ভৰোঁ। চাৰ, আপুনি

এতিয়াও
ভরোঁ। সর, আপুনি এতিয়াও

গল্প লিখে নে?
গল্প লিখে নে?

চৌধুৰী : মাজে মাজে লিখোঁ। পিছে

প্রকাশক

চেটার্জী : মাজে মাজে লিখোঁ। পিছে প্রকাশক

নাম্প। গল্পবোৰ পৰি আছে। তোৰ
নাই। গল্পবোর পরি আসে। তোর

কোনো চিনাকি প্রকাশক নাম্প

নে?

কোনো চিনাকি প্রকাশক নাই নে?

প্রেম : আছে। পিছে তেওঁৰ ধন নাম্প।

প্রেম : আসে। পিছে তেওঁর ধন নাই।

পাণ্ডুলিপিটো মম্প এবাৰ চাব
পাণ্ডুলিপিটো মোই এবার সাব

পাৰোঁনে?
পারোঁনে?

চৌধুৰী : তেনেহলে তম্প তেওঁক পম্পছা

দে।

চেটার্জী : তেনেহলে তোই তেওঁক পইসা দে।

চটার্जी : कभी कभी लिखता हूँ। पर प्रकाशक नहीं (मिलता)। कहानियाँ पड़ी हुई हैं। तुम्हारा कोई जान-पहचान का प्रकाशक नहीं है क्या?

प्रेम : है तो सही। पर उनके पास धन नहीं है। क्या मैं पांडुलिपि को एकबार देख सकता हूँ?

चटार्जी : ऐसा है तो तुम उनको पैसा दे दो। वह छापे।

प्रेम : (अच्छा) देखता हूँ।

चटर्जी : तुम मेरे साथ आओ। पांडुलिपिको देख लो।

তেওঁ ছপাওক।
तेआँ सपाओक।

প্ৰেম : চাওঁচোন।
प्रेम : साआँसोन।

চেটাৰ্জী : তস্প মোৰ লগত আহ।
পাণ্ডুলিপি-
चेटार्जी : तोइ मोर लगत आह। पांडुलिपि-
টো চাহি।
टो साहि।

শব্দাৰ্থ (शब्दार्थ)

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
হেৰ'	हर्अ	अरे, हे
আপোনাৰ	आपोनार	आपका
নে	ने	प्रश्नवाची अव्यय
আছোঁ	आसाँ	हूँ
তস্প	तोइ	तू/तुम
আজিকালি	आजिकालि	आजकल
কৰ	कर्अ	(तू) करना
ব্যৱসায়	व्यवसाय	व्यवसाय
কৰোঁ	करौं	करता हूँ
দোকান	दोकान	दुकान
ক'ত	कोत	कहाँ
নাস্প	नाइ	नहीं
ৰেচমী	रेसमी	रेशमी
	सेइबोर	वे सब भी

সেম্পবোৰ	बिक्रि करौं	बेचता हूँ
বিক্রি কৰোঁ	तार परा	वहाँ से
তাৰ পৰা	साहपात	चाय की पत्ती
চাহপাত	बाँह	बाँस
বাঁহ	बैंतर	बेंत की
বেঁতৰ	बस्तु	वस्तु
বস্তু	आनौं	लाता हूँ
আনোঁ	माजे माजे	कभी-कभी
মাজে মাজে	लाभ	लाभ
লাভ	लोकसान	नुकसान
লোকচান	भरौं	उठाता हूँ
ভৰোঁ	एतियाओ	अभी भी
এতিয়াও	गल्प	कहानियाँ
গল্প	लिखे	लिखता है
লিখে	लिखौं	लिखता हूँ
লিখোঁ	पिसे	पर
পিছে	प्रकास़क	प्रकाशक
প্রকাশক	परि आसे	पड़ी है
পৰি আছে	कोनो	कोई
কোনো	सिनाकि	परिचित
চিনাকি	पइसा	पैसा, धन
পম্পছা	पांडुलिपि	पांडुलिपि
পাণ্ডুলিপি	एबार	एक बार
এবাৰ	साऔं	(मैं) देखूँ
চাওঁ	तेनेहले	तब, ऐसा है तो
তেনেহলে	सपाओक	छपाए, छपाने दो
ছপাওক	साऔंसोन	देखता हूँ
	आह	(तू) आ
	साहि	तू आ और देख

চাওঁচোন

আহ

চাহি

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) তম্প আজিকালি কি কৰ ?
तोइ आजिकालि कि कर्अ?

→ তুমি আজিকালি কি কৰা ?
तुमि आजिकलि कि करा?

1. তম্প তাত কি কৰ ?
तोइ तात कि कर्अ?

2. তম্প কি বিক্রি কৰ ?
तोइ कि बिक्रि कर्अ?

3. তম্প তাৰপৰা কি আন ?
तोइ तारपरा कि आन्अ?

4. তম্প মোৰ লগত আহ।
तोइ मोर लगत आह।

5. আপুনি গল্প লিখে নে ?
आपुनि गल्प लिखे ने?

(খ) মোৰ দোকান আছে।
मोर दोकान आसे।

→ মোৰ দোকান নাম্প।
मोर दोकान नाइ।

1. মোৰ ব্যৱসায় আছে।
मोर व्यवसाय आसे।

2. মোৰ ধানৰ খেতি আছে।
मोर धानर खेति आसे।

3. মোৰ ৰেচমী শাড়ী আছে।
मोर रेसमी स़ारी आसे।

4. তেওঁৰ প্রকাশক আছে।
तेआँर प्रकास़क आसे।

5. তেওঁৰ চিনাকি মানুহ আছে।
तेआँर सिनाकि मानुह आसे।

II. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

उदाहरण :

প্রেমকুমাৰে কি কৰে ?
प्रेमकुमारे कि करे?

→ প্ৰেমকুমাৰে ব্যৱসায় কৰে।
प्रेमकुमारे व्यवसाय करे।

1. প্ৰেমকুমাৰৰ ভাল নে ?
प्रेमकुमारर भाल ने?

2. প্ৰেমকুমাৰে অসমত কি বিক্ৰি কৰে ?
प्रेमकुमारे असमत कि बिक्रि करे?

3. প্ৰেমকুমাৰে অসমৰ পৰা কি আনে ?
प्रेमकुमारे असमर परा कि आने?

4. চেটাৰ্জীৰ গল্পবোৰ কি হৈছে ?
चेटार्जीर गल्पबोर कि होइसे?

III. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए गए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से वाक्यों को पूरा कीजिए।

उदाहरण :

চাৰ ________ ভাল নে ? (आपका)

सार ________ भाल ने?

→ চাৰ আপোনাৰ ভাল নে ?
सार आपोनार भाल ने?

1. তম্প অসমত কি ________ ? (कर)

तोइ असमत कि ________?

2. প্ৰেম, ________ দোকান ক'ত ? (तू)

प्रेम, ________ दोकान को'त?

3. মম্প ________ চাহপাত আনোঁ। (असम से)

मइ ________ साहपात आनो।

4. মম্প কেতিয়াবা ________ ভৰোঁ। (नुकसान)

मइ केतियाबा ________ भरौँ।

5. মোৰ ________ পৰি আছে। (कहानियाँ)

मोर _____ परि आसे।

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्य में कर्तापद जोड़कर नया वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

বানাৰসত ৰেচমী শাড়ী লওঁ।
बानारसत रेसमी सा़री लऔं।

→ মম্প বানাৰসত ৰেচমী শাড়ী লওঁ।
मोइ बानारसत रेसमी सा़री लऔं।

1. সেম্পবোৰ অসমত বিক্রি কৰোঁ।
   सेइबोर अस़मत बिक्रि करौं।
2. অসমৰ পৰা বাঁহৰ বস্তু আনোঁ।
   अस़मर परा बाँहर बस्तु आनौं।
3. কেতিয়াবা লোকচান ভৰোঁ।
   केतियाबा लोकसान भरौं।
4. এতিয়াও গল্প লিখে নে ?
   एतियाओ गल्प लिखे ने?
5. কেতিয়াবা গল্প লিখোঁ।
   केतियाबा गल्प लिखौं।
6. পাণ্ডুলিপিটো চাহি।
   पांडुलिपिटो साहि।

V. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य में 'চোন' (सोन) या 'হি' (हि) प्रयोग कर नया वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

(क) মম্প পাণ্ডুলিপিটো চাওঁ।
मोइ पांडुलिपिटो साऔं।

→ মম্প পাণ্ডুলিপিটো চাওঁচোন।

(ख) তম্প পাণ্ডুলিপিটো চা।
तोइ पांडुलिपिटो सा।

→ তম্প পাণ্ডুলিপিটো চাহি।

মোই পাংডুলিপিটো সাআঁসোন।

1. তম্প স্পয়াত বহ।
   তই ইয়াত বহ।
2. তোমালোক ভিতৰলৈ আহা।
   তোমালোক ভিতরলোই আহা।
3. আপুনি লিখক।
   আপুনি লিখক।
4. মম্প শাড়ী আনোঁ।
   মোই সাড়ী আনোঁ।
5. মম্প পাণ্ডুলিপিটো চাওঁ।
   মোই পাংডুলিপিটো সাআঁ।

তোই পাংডুলিপিটো সাহি।

1. তম্প তেওঁক কিতাপখন দে।
   তোই তেআঁক কিতাপখন দে।
2. তম্প ভিতৰত বহ।
   তোই ভিতরত বহ।
3. তুমি পাণ্ডুলিপিটো চোৱা।
   তুমি পাংডুলিপিটো সোবা।
4. তোমালোকে সাৰ নিয়া।
   তোমালোকে সার নিয়া।
5. আপুনি চাহ খাওক।
   আপুনি সাহ খাওক।

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

কেতিয়াবা লাভ হয় ভাল
কেতিয়াবা লাভ হয় ভাল

→ কেতিয়াবা ভাল লাভ হয়।
কেতিয়াবা ভাল লাভ হয়।

1. কৰে চৌধুৰীয়ে বিক্রী কাপোৰ অসমত
   করে সৌধুরীये বিক্রি কাপোর অসমত
2. মাষ্টৰ স্কুলৰ ভায়েক প্রেমকুমাৰৰ
   মাস্তর স্কুলর ভায়েক প্রেমকুমারর
3. নাম্পনে প্রকাশক চিনাকি তোৰ কোনো
   নাইনে প্রকাসক সিনাকি তোর কোনো
4. চাব পাণ্ডুলিপিটো পাৰোঁনে এবাৰ মম্প
   সাব পাংডুলিপিটো পারোঁনে এবার মোই

पढ़िए और समझिए।

বাণিজ্যত লক্ষ্মী (बाणिज्यत लक्ष्मी)

প্ৰেমকুমাৰে ব্যৱসায় কৰে। তেওঁ অসমত শাড়ী বিক্ৰি কৰে। তেওঁ কানপুৰত বাঁহ-বেতৰ
प्रेमकुमारे व्यवसा़य करे। तेओँ अस़मत स़ारी बिक्रि करे। तेओँ कानपुरत बाँह-बेतर
বস্তু বিক্ৰি কৰে। তেওঁৰ অৱস্থা এতিয়া বৰ ভাল। তেওঁৰ এতিয়া আৰু টকা পইচাৰ
बस्तु बिक्रि करे। तेओंर अबस्था एतिया बर भाल। तेओंर एतिया आरु तका पइसार
নাটনি নাই। চৌধুৰীৰ এখন কাৰখানা আছে। তেওঁৰ কাৰখানা নিৰালা নগৰত। তেওঁৰ
नाटनि नाइ। सौधुरीर एखन कारखाना आसे। तेओंर कारखाना निराला नगरत। तेओंर
কাৰখানাত বহুত কৰ্মীয়ে কাম কৰে। তেওঁৰ কেতিয়াবা লাভ হয়। কেতিয়াবা লোকচান
कारखानात बहुत कर्मीये काम करे। तेओंर केतियाबा लाभ हय। केतियाबा लोकसान
হয়। চৌধুৰীৰ তাৰ বাবে চিন্তা নাই। চৌধুৰীৰ ভায়েক স্কুল মাষ্টৰ। তেওঁৰ ব্যৱসায়
हय। सौधुरीर तार बाबे सिन्ता नाइ। सौधुरीर भायेक स्कूल मास्टर। तेओंर व्यवसा़य
বাণিজ্য নাই। গতিকে টকা-পইচাও বিশেষ নাই। মই মাজে সময়ে কবিতা লিখোঁ।
बाणिज्य नाइ। गतिके तका-पइसाओ बिस़ेस़ नाइ। मोइ माजे समये कबिता लिखौँ।
ৰেডিওত গল্প পঢ়োঁ। মোৰ জমাও নাই। মোৰ ধাৰো নাই।
रेडिओत गल्प पढ़ौँ। मोर जमाओ नाइ। मोर धारो नाइ।

नये शब्द

असमिया शब्द	उच्चारण	हिन्दी अर्थ
অৱস্থা	अवस्था	हालत
কাৰখানা	कारखाना	कारखाना
কৰ্মী	कर्मी	कर्मचारी

তাৰ বাবে	तार बाबे	इसके लिए
বাণিজ্য	बानिज्य	वाणिज्य
৲কা পম্পচা	टका पइसा	रुपया-पैसा
কোনো ৰকম	कोनो रकम	किसी तरह से
মাজে সময়ে	माजे समये	कभी कभी, बीच बीच में
কবিতা	कबिता	कविता
পঢ়োঁ	पढ़ों	पढ़ता हूँ
জমাও	जमाओ	जमा भी, पूँजी भी
ধাৰো	धारो	कर्ज भी

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. প্রেমকুমাৰে অসমত কি কৰে ?
   प्रेमकुमारे असमत कि करे?
2. তেওঁৰ৲কা-পম্পচাৰ নৌনি আছে নে ?
   तेओंर टका-पइसार नाटनि आसे ने?
3. চৌধুৰীৰ কাৰখানা ক'ত ?
   सौधुरीर कारखाना कोत?
4. তোমাৰ৲কা-পম্পচা আছে নে ?
   तोमार टका पइसा आसे ने?
5. মম্প ৰেডিঅ'ত কি কৰোঁ
   मोइ रेडिअत कि करौं?

II. रिक्त स्थान भरकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. প্রেমকুমাৰৰ _____ বৰ ভাল।
   प्रेमकुमारर _____ बर भाल।

2. প্ৰেমকুমাৰৰ ̐কা পম্পচাৰ ____________ নাম্প।

   प्रेमकुमारर टका पइसार ________ नाइ।

3. মম্প কোনো __________ চলি আছোঁ।

   मोइ कोनो ___________ सलि आसौं।

4. মম্প __________ কবিতা লিখোঁ।

   मोइ _________ कबिता लिखौं।

5. মোৰ ধাৰো নাম্প, মোৰ ___________ নাম্প।

   मोर धारो नाइ, मोर ________ नाइ।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

কুমুদ বৰা ̐য়িকত থাকে। তেওঁৰ ঐ়া ছপাশাল আছে। ছপাশালত বহুত কৰ্মীয়ে কাম

कुमुद बरा टियकत थाके। तेआँर एटा सपासाल आसे। सपासालत बहुत कर्मीये काम

কৰে। তেওঁৰ আয় ভাল। তেওঁ নতুনকৈ ঘৰ বনাম্পছে। তেওঁ অলপতে এখন গাড়ীও

करे। तेआँर आय भाल। तेआँ नतुनकोइ घर बनाइसे। तआँ अलपते एखन गाड़ीओ

লৈছে।

लोइसे।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

हजारिका प्राइमरी विद्यालय में शिक्षक हैं। वे बहुत अच्छे शिक्षक हैं। वे कविता भी लिखते हैं। कभी-कभी वे नाटक में अभिनय भी करते हैं। वे बहुत लोकप्रिय हैं।

V. प्रेमकुमार का व्यवसाय के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. নে (ने) : यह प्रश्नवाची अव्यय है। निर्देशात्मक वाक्य के अंत में 'নে' (ने) जोड़कर वाक्य को प्रश्नवाची बनाया जाता है। ऐसे प्रश्न का उत्तर 'हाँ' या 'नहीं' में दिया जाता है।

2. আৰু (आरु) : यह संयोजक अव्यय है ; लेकिन वाक्य के अंत में प्रयुक्त होने पर यह केवल एक अन्तराल **(pause)** जैसा होता है।

3. ক'ত (क'त) : असमिया प्रश्नवाचक शब्दों का मूलांश 'क-' है। इसी में विभिन्न कारकों की विभक्तियाँ जोड़ी जाती है। प्रस्तुत उदाहरण में इसमें अधिकरण की विभक्ति जुड़ी हुई है। दूसरी विभक्तियों के साथ इसके रूप इस प्रकार होते हैं --

ক'	+	-ত > ক'ত		ক' + -त	>	कोत (कहाँ) पर
ক'	+	-লৈ > ক'লৈ		ক' + -लोइ	>	कोलो (कहाँ) को
ক'	+	-ৰ > ক'ৰ		ক' + -र	>	कोर (कहाँ) का

4. পুৰুষবাচক বিভক্তি -এ (पुरुष विभक्ति -ए) : वर्तमान काल में क्रिया के साथ प्रयुक्त होनेवाली पुरुष विभक्तियाँ इस प्रकार होती है --

पुरुष	एकवचन और बहुवचन
उत्तम पुरुष	-ওঁ (ओं)
मध्यम पुरुष	-অ (अ)
	-আ (आ)
	-এ (ए)
अन्य पुरुष	-এ (ए)

उदाहरण :

মোই	কর	+ -ও	>	মোই কৰোঁ
তোই	কর	+ -অ	>	তোই কৰ্অ
তুমি	কর	+ -আ	>	তুমি কৰা
আপুনি	কর	+ -এ	>	আপুনি কৰে

5. নাম্প (नाइ) : 'আছ' (आस) धातु से बने हुए वर्तमान काल के हर क्रियारूप का एक ही नेतिवाचक रूप होता है। 'নাম্প' (नाइ) हर पुरुष के साथ प्रयोग में आता है। जैसा--

মম্প ঘৰত নাম্প।
मोइ घरत नाइ।

তুমি স্পয়াত নাম্প।
तुमि इयात नाइ।

नॊनि नाम्प।
नातनि नाइ।

6. छोन (सोन) : आज्ञावाचक क्रिया पद के साथ 'छोन' (सोन) लग जाने से यह अनुरोध या विनम्रता का सूचक होता है।

7. हि (हि) : यह 'आहि' (आहि) असमापिका क्रिया का संक्षिप्त रूप है। किसी क्रिया के साथ इसको जोड़ने से 'आना' अर्थ जुड़ जाता है।

8. साहि (साहि) : यह दो क्रियापदों का संक्षिप्त रूप है। जैसे -- आ और देख।

खाहि (खाहि) = आ, खा

देहि (देहि) = आ, दे

9. रचना के बारे में: इस पाठ में 'आछ' (आस) धातुका नित्यवर्तमान काल का उत्तम पुरुष और अन्य पुरुष का रूप दिखाया गया है। ऐसे क्रिया पद का निषेधवाचक रूप सिर्फ 'नाम्प' (नाइ) शब्द से बनाया जाता है। इसके अलावा प्रश्नवाचक शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है।